।। डी.पी.एस. दुर्ग में 72वाँ गणतंत्र दिवस ।।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग ने 72वाँ गणतंत्र दिवस को देशभक्ति, जोश और उत्साह के साथ मनाया । दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग ने एन.एस.पी.सी.एल, भिलाई के साथ मिलकर गणतंत्र दिवस पूर्व संध्या पर ''Nurturing Synergizes with Energy'' नामक एक वर्चुअल कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए सहयोग किया, जिसे स्कूल के फेसबुक पेज पर देखा गया । इस कार्यक्रम में डी.पी.एस. दुर्ग एवं एन.एस.पी.सी.एल, भिलाई शामिल थे । भारतीय संविधान पर भाषण, नाटक देशभक्ति गीत, नृत्य और हिन्दी कविता का पाठ डी.पी.एस. दुर्ग एवं एन.एस.पी.सी.एल, भिलाई के छात्रों द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम का प्रांरभ श्री वी.एम.राजन (सी.जी.एम और बी.यू.एच एन.एस.पी.सी.एल, भिलाई), प्राचार्य यशपाल शर्मा (डी.पी.एस., दुर्ग) द्वारा किया गया । वोट ऑफ थैक्स का प्रस्ताव श्री के. एस.बिष्ट (प्रधानाध्यापक डी.पी.एस., दुर्ग) द्वारा किया गया ।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात् भारतीय संविधान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों, अभिभावक एवं शिक्षकगणों को संबोधित किया ।

प्राचार्य द्वारा वर्चुअल कार्यक्रम में अपने संबोधन में भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम भारतीय भाग्य शाली हैं कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक है। तथा सशस्त्र बलों की गौरव के बारे में बताया कि वे किसी प्रकार हमारी प्राकृतिक और मानव निर्मित संकट से रक्षा करते है और 26 जनवरी को लाल किले पर परेड ने देश की ताकत और भव्यता को प्रदर्शित कर हमें अनंत गर्व से भर दिया । साथ ही अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें । शिक्षकों को बच्चों के लिए को अच्छे रोल मॉडल बनने और छात्रों को जीवन कौशल सीखने और समस्या की अपेक्षा समाधान का हिस्सा के बनने के लिए प्रेरित किया ।